ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

जिसके दिल मे
सिर्फ एक शिवबाबा है।
वह दिल वाह-वाह
है।

यह सारी पुरानी दुनिया खत्म हो जाने वाली है। तो पुरानी दुनिया को क्यों देखना? एक परमात्मा को ही देखना है।

जितना ऑनेस्ट होगा उतना ही होलीएस्ट होगा। होलीएस्ट बनने की मुख्य बात है - 'बाप से सच्चा बनना।' सिर्फ ब्रह्मचर्य धारण करना यह प्यूरिटी की हाइएस्ट स्टेज नहीं है; लेकिन प्यूरिटी अर्थात् रीयल्टी अर्थात् सच्चाई। ऐसे सच्ची दिल वाले दिलवाला बाप के दिलतख्त नशीन हैं और दिलतख्त नशीन बच्चे ही राज्य राज्यतख्त नशीन होते हैं।

Avyakt Murli - 25-6-1977

/AvyaktMurliEssence

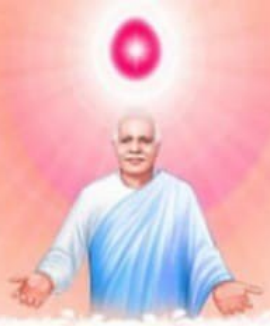

अव्यक्त शिक्षाएँ

शान्त स्वरूप तो हो लेकिन शान्ति की अनुभूति किस प्वाइन्ट के आधार पर होती है, जैसे देखो मैं आत्मा परमधाम निवासी हूँ, इससे भी शान्ति की अनुभूति होती हैं और मैं आत्मा सतयुग में सुख-शान्ति स्वरूप हूंगी उसका अनुभव देखो तो और होगा। ऐसे ही कर्म करते हुए अशान्ति के वातावरण में होते भी मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ, उसकी अनुभूति करते हो तो उसका अनुभव और होगा। फर्क हो गया ना तीनों में। हैं तो शान्त स्वरूप। ऐसे रोज उस शान्त स्वरूप की अनुभूति में भी प्रोग्रेस हो। कब किस प्वाइन्ट से शान्त स्वरूप की अनुभूति करो, कभी किससे तो रोज का नया अनुभव होगा और सदा इसी में बिजी रहेंगे कि नया-नया मिले। नहीं तो क्या होता है चलते- चलते वही याद की विधि, वही मुरली सुनने और सुनाने की विधि, फिर वही बात कहाँ-कहाँ कामन अनुभव होने लगती है। इसलिए फिर उमंग भी जैसे सदा रहता है वैसे ही रहता है, आगे नहीं बढ़ता। और इसकी रिजल्ट में फिर कहाँ अलबेलापन भी आ जाता है। यह तो मुझे आता ही है, यह तो जानते ही हैं! तो उड़ती कला के बजाय ठहरती कला हो जाती है। इसलिए स्वयं तथा जिन आत्माओं के लिए निमित्त बनते हो, उन्हें सदा नवीनता का अनुभव कराने के लिए यह विधि ज़रूर चाहिए। समझा!

अ.बापदादा-14.03.82

निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

जो स्मृति स्वरूप रहते हैं
उन्हें कोई भी परिस्थिति
खेल अनुभव होती है
स्मृति स्वरूप अर्थात
हर संकल्प, स्वांस में
स्वत: शिवबाबा की
याद हो

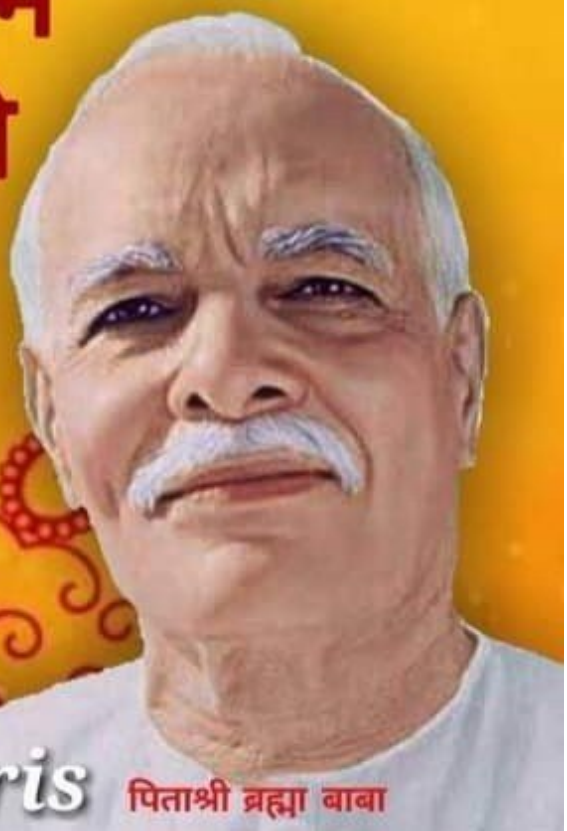

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

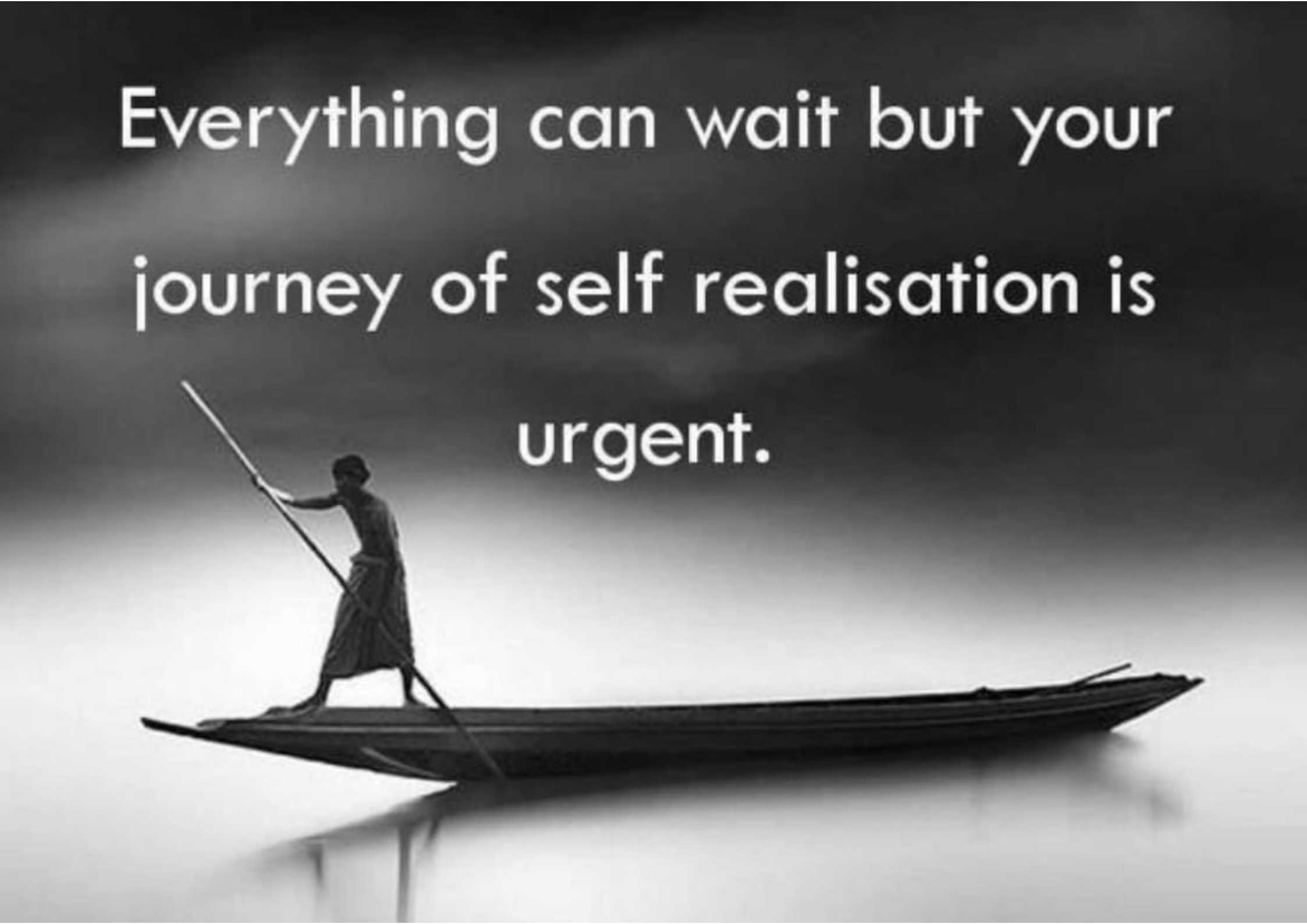
Everything can wait but your
journey of self realisation is
urgent.

www.dadijanki.org

There
is a deep link
between food
and the thoughts
we generate.
Whatever food we eat
influences our minds.

Dadi Janki

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org